DR. BANDA PRAKASH (Telangana): Sir, I associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

MR. CHAIRMAN: This is about allocation of alternative mines for Telangana. But, he made a request for Odisha. The second thing is asking BHEL to expedite the work on the power project which is getting delayed. Now, Dr. Satyanarayan Jatiya.

Need to expand the Ayushman Bharat Scheme

डा. सत्यनारायण जटिया (मध्य प्रदेश): माननीय सभापति जी, मैं आरोग्य के बारे में सरकार की 'आयुष्मान भारत योजना', जो माननीय नरेन्द्र मोदी जी ने एक साल पूर्व 14 अप्रैल, 2018 को डॉ. अम्बेडकर जयन्ती के उपलक्ष्य में प्रारंभ की थी, उस अभिनव योजना का अभिनंदन और उनके प्रति साधुवाद, आभार व्यक्त करने के लिए खड़ा हुआ हैं। मैं हजारों लोगों की ओर से निवेदन कर रहा हूं कि इस योजना को प्रारंभ करने के लिए जो लक्ष्य रखा था, 10 करोड़ परिवारों को यानी 50 करोड़ लोगों को, इसका लाभ मिलने की जो योजना बनाई गई, ऐसी विस्तृत योजना दुनिया में कही नही है। मैंने स्वयं अस्पतालों में जाकर देखा है और लोगों ने इस योजना का लाभ लेकर प्रधान मंत्री जी को अपनी शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने लोगों को कहा "आयुष्मान भव:" और लोगों ने लौटकर कहा "यशस्वी और आयुष्मान भव:"। इस प्रकार की दुआएं मिलने का काम हुआ है। निश्चित रूप से इस योजना के बारे में मुझे यह कहना है कि सरकारी और निजी अस्पतालों के लिए इस योजना को जितना लागू किया गया है, इसका विस्तार करने की आवश्यकता है। निजी अस्पतालों में, जो अच्छे अस्पताल हैं और जो अच्छा काम कर रहे हैं, उनको पूर्ण रूप से सरकार सहयोग करे और उनको पुरस्कृत भी करे, क्योंकि वे सेवा का काम कर रहे हैं, निश्चित रूप से उसमें उनका कोई व्यावसायिक लाभ नही है। वह सेवा का काम ही है। इसलिए इन सारी योजनाओं का लाभ उनको मिलना चाहिए, जिसे वे लोगों तक पहुंचा रहे हैं और एक बड़ा काम कर रहे हैं। हम जानते हैं कि सबसे बड़ा सुख निरोगी काया। आरोग्य से बढ़कर कुछ नही हो सकता। हमारे यहां कहा गया है -

"शुभम् करोति कल्याणं, आरोग्यं धन संपदाम्।"

आरोग्य है, तो सब कुछ है। इसलिए इस आयोग्य की योजना के प्रति मैं प्रधान मंत्री जी का अभिनंदन करने लिए खड़ा हुआ हूं। मेरे पास उन लोगों के पत्र भी हैं, जिन्होंने उनके प्रति आभार व्यक्त किया है। उन पत्रों में आपकी इस जन-कल्याण योजना के लिए मैं आपका आभारी रहूंगा, ऐसा श्री जीवन सिंह, पिता- श्री देवी सिंह...

श्री सभापति: नही-नही, उन लोगों का नाम नही... Your point is regarding expansion of Ayushman Bharat Scheme.

डा. सत्यनारायण जटिया: मेरा यह कहना है कि इस योजना को निजी अस्पतालों तक विस्तार दिया जाए और उसमें सभी प्रकार की उपचार की सुविधाएं हों। कही-कही उपचार की सुविधाएं और सीमित कर दी गई हैं, तो सभी प्रकार के उपचार की सुविधाएं देकर उनको लाभान्वित करना चाहिए। इस योजना के लिए मैं पुन: प्रधान मंत्री जी का धन्यवाद करता हूँ, धन्यवाद।

Demand for 'National Maritime Heritage Festival' status to Bali jatra at Cuttack

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Thank you, hon. Chairman, Sir, for giving this opportunity. This is an issue which is extremely close to the hearts of the people of Odisha. I rise to place my demand for according National Maritime Heritage Festival status to the Bali Jatra Festival of Odisha which happens in Cuttack. Sir, to appreciate what is Bali Jatra, we need to go back into history. This is an ancient festival which is held in the city of Cuttack in Odisha which commemorates the glorious tradition of seafaring activities of Odia mariners, who were called as the Sadhvas in the ancient times. These Sadhvas used to sail to distant lands in those days when globalisation was not there. They used to go to the distant lands of Bali, Sumatra, Java and Borneo for trade and cultural expansion. This trade and cultural expansion which connected the Kalinga era and the ancient era of Odisha, with the South-East Asia is celebrated through the Bali Jatra. It takes place in Cuttack, the Millennium City. Therefore, it has rich social and cultural importance. Our hon. Chief Minister, Shri Naveen Patnaik has demanded that National Maritime Heritage Festival status be accorded to the Bali Jatra, through a letter to the hon. Tourism Minister on 12th November, 2019. Sir, I would like to reiterate that Bali Jatra has got strong ties with the people of Odisha, has strong cultural ethos with the people of Odisha and, therefore, by according this status, we are not only looking at heritage but actually we are remembering the rich history that Odisha and India has on seafaring.

SHRI PRASHANTA NANDA (Odisha): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK: Sir, I also associate myself with the matter raised by hon. Member.

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI: Sir, I also associate myself with the matter raised by hon. Member.